भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *177

गुरुवार, दिनांक 14 दिसम्बर, 2023 को उत्तर दिए जाने हेतु

ज्वारीय ऊर्जा

*177. श्रीमती चिंता अनुराधाः
श्री मद्दीला गुरुमूर्तिः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ज्वारीय ऊर्जा को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में से एक मानती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश में किन्हीं अतिरिक्त संभावित नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की पहचान की गई है/उन्हें विकसित किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री

(श्री आर. के. सिंह)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

<u>विवरण</u>

'ज्वारीय ऊर्जा' के संबंध में पूछे गए दिनांक 14.12.2023 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 177 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): जी, हाँ। ज्वारीय ऊर्जा अक्षय ऊर्जा का एक रूप है, जिनमें ज्वारों की शक्ति का उपयोग किया जाता है, जिनसे समुद्र के जल स्तर में आवधिक वृद्धि और गिरावट आती है। ज्वारीय ऊर्जा को विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके बिजली में परिवर्तित किया जा सकता है और इसके पूर्वानुमानित और नियमित होने का लाभ है।

(ग) और (घ): सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा, जैव-ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, तरंग ऊर्जा, अपशिष्ट से ऊर्जा और भू-तापीय ऊर्जा देश में संभावित अक्षय ऊर्जा के चिन्हित स्रोत है। देश में अब तक स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता इस प्रकार है:-

अक्षय ऊर्जा स्रोत	स्थापित क्षमता (गीगावाट) (30.11.2023 की स्थिति के अनुसार)
सौर	72.31
पवन	44.56
पन बिजली	51.86
बायोमास	10.83

*****